

* पद्मपुराण भाष्य *

* सृष्टिरचरं *

जिसको

मुंशीनवलकिशोर (सी. आई. ई.) के कार्यालयी
प्रदेशान्तर्गत पद्मपुराण के अखंड रूप में
शब्द सुकुल से संस्कृत भाषा में लिखित
रत्न व मधुर भाषा में अनुवाद कराया है।

उसीको इसबार उद्योग प्रोत्साहन के अन्तर्गत
पण्डित रामविहारी सुकुल से संस्कृत भाषा में
पुनः संशोधन कराया है।

विनीत

* लल्लू *
लल्लू

मुंशीनवलकिशोर (सी. आई. ई.) के धर्मज्ञान में दत्त रुद्र १३०४ ई०